**Semester-I**

**Course Name: Hindi Sahitya Ka Itihas**

**Course Code: BAHINMJ101**

| Course Type: **MAJOR (Theoretical)** | Course Details: **MJC-1** | | | L-T-P: **4-1-0** | |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| Credit: **5** | Full Marks: **100** | CA Marks | | ESE Marks | |
| Practical | Theoretical | Practical | Theoretical |
| …… | **30** | …… | **70** |

***Course Learning Outcomes:***

*(After the completion of course, the students will have ability to):*

*1.*  विद्यार्थी 10वीं शताब्दी से अब तक के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और विशेष रूप से साहित्यिक सन्दर्भों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

2. हिन्दी साहित्य के विकासात्मक स्वरुप से परिचित हो सकेंगे

3. 11सौ  वर्षों  के हिन्दी साहित्य  की प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे।

4. हिन्दी साहित्य के  रचानाकारों और रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।

5. अपभ्रंश, राजस्थानी, मैथिली, भोजपुरी, अवधी,ब्रज भाषा,खड़ी बोली आदि के विकास को समझ पाने में समर्थ होंगे।

***Content/ Syllabus:***

***इकाई : एक***

साहित्येतिहासलेखनकीपरंपरा |

कालविभाजनऔरनामकरण |

***इकाई : दो***

आदिकालीनकाव्य : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक और साहित्यिकपृष्ठभूमि।

आदिकालीनसाहित्य : प्रमुखप्रवृत्तियाँ।

सिद्धसाहित्य, नाथसाहित्य, जैनसाहित्य, रासोकाव्य, लौकिककाव्य।

आदिकालीनगद्य : सामान्यपरिचय।

***इकाई : तीन***

भक्तिकाल : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिकतथासाहित्यिकपृष्ठभूमि, प्रमुखनिर्गुणकवि, प्रमुखसगुणकवि।

भक्तिकालकीप्रमुखप्रवृत्तियाँ।

भक्तिकालीनकाव्यकीविविधधाराएँ : निर्गुणकाव्यधारा(संतकाव्य, सूफीकाव्य), सगुणकाव्यधारा(रामभक्तिकाव्य,कृष्णभक्तिकाव्य) ।

***इकाई : चार***

रीतिकालकीसामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिकऔरसाहित्यिकपृष्ठभूमि।

रीतिकालकीप्रमुखप्रवृत्तियाँ।

रीतिकालीनकाव्यधाराएँ : रीतिबद्ध, रीतिसिद्धएवंरीतिमुक्त।

**इकाई : पाँच**

भारतेन्दुयुगीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

**इकाई : छ:**

हिंदी गद्य : उद्भव और विकास

कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध

**सहायक ग्रन्थ/सन्दर्भ ग्रन्थ :**

1हिंदीसाहित्यकाइतिहास-रामचन्द्रशुक्ल, नागरीप्रचारिणीसभा, वाराणसी

2 हिंदीसाहित्य :उद्भवऔरविकास-आचार्यहजारीप्रसादद्विवेदी, राजकमलप्रकाशन, नयीदिल्ली

3 हिंदीसाहित्यकीभूमिका- आचार्यहजारीप्रसादद्विवेदी, राजकमलप्रकाशन, नयीदिल्ली

4 हिंदीसाहित्यकाआदिकाल- आचार्यहजारीप्रसादद्विवेदी, राजकमलप्रकाशन, नयीदिल्लीहिंदी

5 इतिहासऔरआलोचकदृष्टि- रामस्वरूपचतुर्वेदी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद

6 हिंदीसाहित्यकाआधाइतिहास –सुमनराजे, भारतीयज्ञानपीठ, नयीदिल्ली

7 साहित्येतिहास :संरचनाऔरस्वरूप-सुमनराजे, ग्रंथमप्रकाशन, कानपुर

8 हिंदीसाहित्यकाइतिहास-सं०डॉ०नगेन्द्र, मयूरपेपरबुक्स,नोएडा

9 रीतिकाव्यकीभूमिका –डॉ०नगेन्द्र, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, नयीदिल्ली

10 हिंदीसाहित्यकादूसराइतिहास –बच्चनसिंह, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद

11 हिंदीसाहित्यकाइतिहास- विजेंद्रस्नातक, साहित्यअकादेमी,नयीदिल्ली

12 साहित्यऔरइतिहासदृष्टि-मैनेजरपाण्डेय, वाणीप्रकाशन,नयीदिल्ली

13 हिंदीसाहित्यकाइतिहास-विश्वनाथत्रिपाठी, एन०सी०इ०आर०टी०. नयीदिल्ली

14 हिंदीगद्य :उद्भवऔरविकास- रामचन्द्रतिवारी, विश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी

15 हिंदीसाहित्यकाआलोचनात्मकइतिहास-रामकुमारवर्मा, हिन्दुस्तानीएकेडमी, इलाहाबाद

16. हिंदीसाहित्यकानयाइतिहास-रामखेलावनपाण्डेय, अनुपमप्रकाशन, पटना

17 साहित्यकाइतिहासदर्शन-नलिनविलोचनशर्मा, बिहारराष्ट्रभाषापरिषद्, पटना

18 हिंदीसाहित्यकावैज्ञानिकइतिहास-गणपतिचंद्रगुप्त,भारतेंदुभवन, चंडीगढ़

19हिंदीसाहित्यकासमेकितइतिहास-सं०डॉ०नगेन्द्र. हिंदीमाध्यमकार्यान्वयनिदेशालय, दिल्लीविश्वविद्यालय

**Semester-I**

**Course Name: Hindi Sahitya Ka Itihas**

**Course Code: BAHINMNC101**

| Course Type: **MINOR (Theoretical)** | Course Details: **MNC-1** | | | L-T-P: **4-1-0** | |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| Credit: **5** | Full Marks: **100** | CA Marks | | ESE Marks | |
| Practical | Theoretical | Practical | Theoretical |
| …… | **30** | …… | **70** |

***Course Learning Outcomes:***

*(After the completion of course, the students will have ability to):*

*1.*  विद्यार्थी 10वीं शताब्दी से अब तक के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और विशेष रूप से साहित्यिक सन्दर्भों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

2. हिन्दी साहित्य के विकासात्मक स्वरुप से परिचित हो सकेंगे

3. 11सौ  वर्षों  के हिन्दी साहित्य  की प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे।

4. हिन्दी साहित्य के  रचानाकारों और रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।

5. अपभ्रंश, राजस्थानी, मैथिली, भोजपुरी, अवधी,ब्रज भाषा,खड़ी बोली आदि के विकास को समझ पाने में समर्थ होंगे।

***Content/ Syllabus:***

***इकाई : एक***

साहित्येतिहासलेखनकीपरंपरा |

कालविभाजनऔरनामकरण |

***इकाई : दो***

आदिकालीनकाव्य : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक और साहित्यिकपृष्ठभूमि।

आदिकालीनसाहित्य : प्रमुखप्रवृत्तियाँ।

सिद्धसाहित्य, नाथसाहित्य, जैनसाहित्य, रासोकाव्य, लौकिककाव्य।

आदिकालीनगद्य : सामान्यपरिचय।

***इकाई : तीन***

भक्तिकाल : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिकतथासाहित्यिकपृष्ठभूमि, प्रमुखनिर्गुणकवि, प्रमुखसगुणकवि।

भक्तिकालकीप्रमुखप्रवृत्तियाँ।

भक्तिकालीनकाव्यकीविविधधाराएँ : निर्गुणकाव्यधारा(संतकाव्य, सूफीकाव्य), सगुणकाव्यधारा(रामभक्तिकाव्य,कृष्णभक्तिकाव्य) ।

***इकाई : चार***

रीतिकालकीसामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिकऔरसाहित्यिकपृष्ठभूमि।

रीतिकालकीप्रमुखप्रवृत्तियाँ।

रीतिकालीनकाव्यधाराएँ : रीतिबद्ध, रीतिसिद्धएवंरीतिमुक्त।

**इकाई : पाँच**

भारतेन्दुयुगीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

**इकाई : छ:**

हिंदी गद्य : उद्भव और विकास

कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध

**सहायक ग्रन्थ/सन्दर्भ ग्रन्थ :**

1हिंदी साहित्य का इतिहास-रामचन्द्रशुक्ल, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी

2 हिंदीसाहित्य :उद्भवऔरविकास-आचार्यहजारीप्रसादद्विवेदी, राजकमलप्रकाशन, नयीदिल्ली

3 हिंदीसाहित्यकीभूमिका- आचार्यहजारीप्रसादद्विवेदी, राजकमलप्रकाशन, नयीदिल्ली

4 हिंदीसाहित्यकाआदिकाल- आचार्यहजारीप्रसादद्विवेदी, राजकमलप्रकाशन, नयीदिल्लीहिंदी

5 इतिहासऔरआलोचकदृष्टि- रामस्वरूपचतुर्वेदी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद

6 हिंदीसाहित्यकाआधाइतिहास –सुमनराजे, भारतीयज्ञानपीठ, नयीदिल्ली

7 साहित्येतिहास :संरचनाऔरस्वरूप-सुमनराजे, ग्रंथमप्रकाशन, कानपुर

8 हिंदीसाहित्यकाइतिहास-सं०डॉ०नगेन्द्र, मयूरपेपरबुक्स,नोएडा

9 रीतिकाव्यकीभूमिका –डॉ०नगेन्द्र, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, नयीदिल्ली

10 हिंदीसाहित्यकादूसराइतिहास –बच्चनसिंह, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद

11 हिंदीसाहित्यकाइतिहास- विजेंद्रस्नातक, साहित्यअकादेमी,नयीदिल्ली

12 साहित्यऔरइतिहासदृष्टि-मैनेजरपाण्डेय, वाणीप्रकाशन,नयीदिल्ली

13 हिंदीसाहित्यकाइतिहास-विश्वनाथत्रिपाठी, एन०सी०इ०आर०टी०. नयीदिल्ली

14 हिंदीगद्य :उद्भवऔरविकास- रामचन्द्रतिवारी, विश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी

15 हिंदीसाहित्यकाआलोचनात्मकइतिहास-रामकुमारवर्मा, हिन्दुस्तानीएकेडमी, इलाहाबाद

16. हिंदीसाहित्यकानयाइतिहास-रामखेलावनपाण्डेय, अनुपमप्रकाशन, पटना

17 साहित्यकाइतिहासदर्शन-नलिनविलोचनशर्मा, बिहारराष्ट्रभाषापरिषद्, पटना

18 हिंदीसाहित्यकावैज्ञानिकइतिहास-गणपतिचंद्रगुप्त,भारतेंदुभवन, चंडीगढ़

19हिंदीसाहित्यकासमेकितइतिहास-सं०डॉ०नगेन्द्र. हिंदीमाध्यमकार्यान्वयनिदेशालय, दिल्लीविश्वविद्यालय

**Semester-I**

**Course Name:** Hindi Vyakaran Aur Sampreshan **(MIL COMMUNICATION)**

**Course Code: AECCH101**

| Course Type: **AEC (Theoretical)** | Course Details: **AEC-1** | | | L-T-P: **4-0-0** | |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| Credit: **4** | Full Marks: **50** | CA Marks | | ESE Marks | |
| Practical | Theoretical | Practical | Theoretical |
| …… | **15** | …… | **35** |

***Course Learning Outcomes:***

*(After the completion of course, the students will have ability to):*

1. विद्यार्थी हिन्दी व्याकरण की समझ विकसित कर सकेंगे।
2. हिन्दी भाषा के शुद्ध उच्चारण और लेखन में सक्षम हो सकेंगे।
3. हिन्दी भाषा की संप्रेषणीयता से परिचित हो सकेंगे।
4. हिन्दी में परिचर्चा करने और साक्षात्कार लेने की क्षमता का विकास होगा।

***Content/ Syllabus:***

**इकाई-1:**

काल, क्रिया,अव्यय एवं कारक का परिचय ।

उपसर्ग, प्रत्यय ,संधि तथा समास

इकाई-2 :

शब्द शुद्धि , वाक्य शुद्धि ,मुहावरे और लोकोक्तियाँ ।

पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द ,अनेक शब्दों के लिए एक शब्द,

पल्लवन और संक्षेपण ।

**इकाई-3:**

संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व

संप्रेषण के प्रकार

**इकाई- 4 :**

अध्ययन, वाचन और चर्चा: प्रक्रिया और बोध

साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन

**संदर्भ ग्रथ :**

संप्रेषण परक व्याकरण : सिद्धांत और स्वरूप – सुरेश कुमार

हिन्दी व्याकरण –कामता प्रसाद गुरु

हिन्दी व्याकरण –एन .सी .ई.आर. टी.

हिंदी व्याकरण शब्द और अर्थ—हरदेव बाहरी

रचनात्मक लेखन – सं. रमेश गौतम

**Semester-I**

**Course Name: KARYALAYI HINDI**

**Course Code: BAHINSE101**

| Course Type: **SEC (Theoretical)** | Course Details: **SEC-1** | | | L-T-P: **2-1-0** | |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| Credit: **3** | Full Marks: **50** | CA Marks | | ESE Marks | |
| Practical | Theoretical | Practical | Theoretical |
| …… | **15** | …… | **35** |

***Course Learning Outcomes:***

*(After the completion of course, the students will have ability to):*

* 1. कार्यालयी हिन्दी के स्वरूप और प्रयोग क्षेत्र को जान सकेंगे।
  2. प्रशासनिक पत्राचार के प्रारूप और उनके प्रयोग संदर्भों को समझ सकेंगे।
  3. कार्यालयी हिन्दी में अनुवाद की भूमिका और आवश्यकता पर प्रकाश डाल सकेंगे।

***Content/ Syllabus:***

इकाई-1:कार्यालयी हिंदी : विविध स्वरूप

इकाई-2:प्रशासनिक पत्राचार : सरकारी पत्र , अर्द्धसरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञापन, अनुस्मारक, निविदा, परिपत्र, अधिसूचना ।

इकाई-3: कार्यालयी हिंदी में अनुवाद की भूमिका, कार्यालयीन अनुवाद ।

इकाई-4: कार्यालयी और साहित्यिक अनुवाद में अंतर, अनुवाद की समस्याएं ।

**संदर्भ ग्रंथ :**

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे

2. प्रयोजनमूलक हिंदी:सिद्धांत और प्रयोग –दंगल झाल्टे

3. हिंदी पत्रकारित और जनसंचार—ठाकुरदत्त आलोक

4. प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग—दंगल झाल्टे

5. राजभाषा हिंदी—भोलानाथ तिवारी

**Semester-II**

**Course Name: Aadikalin Evam Madhyakalin Kavya**

**Course Code: BAHINMJ201**

| Course Type: **MAJOR (Theoretical)** | Course Details: **MJC-2** | | | L-T-P: **4-1-0** | |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| Credit: **5** | Full Marks: **100** | CA Marks | | ESE Marks | |
| Practical | Theoretical | Practical | Theoretical |
| …… | **30** | …… | **70** |

***Course Learning Outcomes:***

*(After the completion of course, the students will have ability to):*

***Course Learning Outcomes:***

*(After the completion of course, the students will have ability to):*

*1.विद्यार्थीहिंदीसाहित्य*केआदिकालऔरमध्यकालके*विकास, प्रवृत्तियों,*कविताओं*औररचनाकारोंकीजानकारीप्राप्तकरेंगे।*

*2.विद्यार्थीइसमेंभारतीयकविताकेअस्तित्वऔरभक्तिकेतलकेक्लासिकलरूपकोजानसकतेहैं।*

3. विद्यार्थी आठ प्रतिनिध रचनाकारों की कुछ प्रमुख रचनाओं के पाठ को हृदयंगम कर सकेंगे।

4. आठ महत्वपूर्ण कवियों की रचनाओं की अंतर्वस्तु से परिचित हो सकेंगे।

5. भोजपुरी,मैथिली,अवधी,ब्रज भाषा की बानगियां  विद्यार्थियों को यहां प्राप्त हो सकेगी।

6. हिन्दी की बोलियों की विविधता को समझ पाने में सक्षम हो सकेंगे।

***Content/ Syllabus:***

**इकाई : एक**

**विद्यापति (**विद्यापति – शिवप्रसादसिंहसे **7 पद) : 1.**विदितादेविविदिताहो(1) **2**. नंदकनन्दन

कदम्बेरितरुतरे(8) **3**. सुनरसिया, अबनबजाऊबिपिनबंसिया(9) **4**. सैसव-जौवनदुहुमिलिगेल,

स्रवनकपथदुहुलाचनलेल(11)  **5.** कोहमेसाँझकएकसरितारा(51)  **6.** मधुपुरमोहनगेलरे, मोरा

बिदरतछाती(54) **7.** सरसिजबिनुसरसरबिनुसरसिज(83)

**इकाई**: **दो**

**कबीर (**कबीरग्रंथावली –श्यामसुंदरदाससे **7** पद**)** : 1.संतोंभाईआईज्ञानकीआंधीरे(16) **2**.

चलनचलनसबकोईकहतहै, नजानेबैकुण्ठकहाँहै (24) **3**. पांडेकौंनकुमतितोहिलागी (39) **4**.

पंडितबादवदंतेझूठा (40) **5**.मायातजूंतजीनहींजाइ(84) **6**. मनरेतनकागदकापुतला(92) **7.**

हरिजननिमैंबालकतोरा(111) **.**

**इकाई**: **तीन**

**तुलसीदास(** कवितावलीके ‘उत्तरकाण्ड’ से **7 पद) :** - **1.**मनोराजुकरतअकाजुभयोआजुलगि, चाहेचारुचीर, पैलहैनटूकुटाटको (66) **2**. ऊँचोमनु,ऊंचीरुचि, भागुनीचोनिपटही, लोकरीति-लायकन, लंगरलबारुहै (67) **3.**जातिके, सुजातिके, कुजातिकेपेटागिबसखाएटूकसबके, बिदितबातदुनींसो(71) **4.**किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी, भाट,चाकर,चपलनट,चोर,चार, चेटकी(96), **5**. कुल-करतूति-भूति-कीरति-सरूप-गुन-जौबनजरतजुर, परैनकलकहीं(98) **6.**धूतकहौ, अवधूतकहौ, रजपूतुकहौ, जोलाहाकहौकोऊ (106), **7.**लालचीललातबिललातद्वार-द्वारदीन, बदनमलीन, मनमिटैनाबिसूरना (148)

**इकाई**: **चार**

**सूरदास (**सूरदाससटीक –धीरेन्द्रवर्मासे **7 पद) : 1.**अबिगत-गतिकछुकहतनआवै(विनयतथाभक्ति: 2) **2** . सिखवतिचलनजसोदामैया(गोकुललीला : 20) **3.**मुरलीतऊगुपालहिंभावति(गोकुललीला : 42) **4**. बुझतस्यामकौनतूगौरी( राधा-कृष्ण : 2) **5.**कोउब्रजबांचतनाहिंनपाती (उद्धव-सन्देश : 44) **6.**आएजोगसिखावनपांडे (उद्धव-सन्देश : 69) **7**. निरगुनकौनदेसकौबासी?( उद्धव-सन्देश : 77)

**मीराबाई (**मीराकाकाव्य-विश्वनाथत्रिपाठीसे **7** पद**) : 1.** आलीरीम्हारेणणाबाणपड़ी**2.**

म्हारांरीगिरिधरगोपालदूसराणाकूयां**3.**जोगियाजीनिसदिनजोवांथारीबाट**4.** को

बिरहिनीकोदुःखजांणैहो **5.** पतियांमैंकैसेलिखूं, लिख्योरीनजाय**6**. भजमनचरणकंवल

अवणासी 7**.**रामनामरसपीजैमनआं, रामनामरसपीजै

**इकाई**: **पांच**

**बिहारी(** बिहारी-रत्नाकर : जगन्नाथदासरत्नाकरसे **15 दोहे) : 1.**बैठीरहीअतिसघनबन, पैठिसदन-तनमाँह(52) **2.**कागदपरलिखतनबनत, कहतसंदेसुलजात(60) **3.**याअनुरागीचित्तकीगतिसमुझैनहिंकोई(121) **4.** मोहन-मूरतिस्यामकीअतिअद्भुतगतिजोइ(161) **5.** बड़ेनहूजैगुननुबिनुबिरद-बड़ाईपाइ(191) **6.**तजितीरथहरिराधिके(201) **7.**आड़ेदेआलेबसनजाड़ेहूंकीरात(283) **8.**सीस-मुकुट, कटि-काछनी, कर-मुरली, उर-माल (301) **9.**कोरिजातनकोऊकरू, परैनप्रकृतिहिंबीचु(341) **10.**लिखनबैठिजाकीसबीगहिगहिगरबगरूर( 347) **11.**दुसहदुराजप्रजानुकौंक्यौंनबढ़ैदुःख-दंदु (357) **12.**दृगउरझत, टूटतकुटुम, जुरतचतुर-चितप्रीति(363)  **13**. समैसमैसुन्दरसबै, रूपकुरूपुनकोई(432) **14**. बतरस-लालचलालकीमुरलीधरीलुकाइ (472) **15**. लटुआलौंप्रभ-करगहैंनिगुनीगुनलपटाइ(501)

**घनानंद (** घनानंदकवित्त : विश्वनाथप्रसादमिश्रसे **7 पद)** : **1**. झलकैअतिसुन्दरआननगौर (2)

**2.**पहिलेंघन-आनंदसींचिसुजानकहींबतियाँअतिप्यारपगी (10) **3.**तबतोछबिपीवतजीवतहै, अबसोचनलोचनजातजरे(13) **4.**रावरेरूपकीरीतिअनूप, नयो-नयोलागतज्यौं-ज्यौंनिहारियै (15) **5**. अतिसूधोसनेहकोमारगहैजहाँनेकुसयानपबांकनहीं ( 82) **6**. घनआनंदप्यारेसुजानसुनौजिहिभांतिनहौंदुःख-सूलसहौं (88) **7**. पूरनप्रेमकोमंत्रमहापणजामधिसोधिसुधारिहैलेख्यौ (97)

**इकाई**: **छ:**

**भूषण (**स्वर्णमञ्जूषा–नलिनविलोचनशर्मा, केसरीकुमारसे **7 पद) : 1.** पावकतुल्यअमीतनकोभयो (1) **2**. जैजयति, जैआदि-सकतिजैकालि, कपर्दिनि(3) **3.**इंद्रजिमिजम्भपरबाडवज्यौंअंभपर(5) **4.**बासब-सेबिसरतबिक्रमकीकहाचली(11) **5.**मद-जलधरनदुरद-बलराजत(12) **6.**भुज-भुजगेसकीवैसंगिनीभुजंगिनी-सी (17) **7**. साजिचतुरंगबीर-रंगमेंतुरंगचढ़ि(20)

**सहायक ग्रन्थ/सन्दर्भ ग्रन्थ** :

1. विद्यापति –शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. कबीर ग्रंथावली –सं० श्यामसुंदर दास, नागिरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
3. सूरसागर सटीक –सं०- धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा० लिमिटेड, इलाहाबाद
4. कवितावली- तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर
5. मीरा का काव्य- सं० विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. बिहारी रत्नाकर- जगन्नाथ प्रसाद रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. घनानंद-कवित्त –सं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
8. स्वर्ण-मंजूषा- सं० नलिन विलोचन शर्मा, केसरी कुमार; मोतीलाल-बनारसी दास,दिल्ली
9. कबीर- हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. भक्ति-काव्य यात्रा-रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि- द्वारिका प्रसाद सक्सेना, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
12. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य- मैनजर पांडेय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13. सूरदास –आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागिरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
14. गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
15. लोकवादी तुलसीदास-विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
16. घनानंद – लल्लन राय, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली
17. रीतिकाव्य की भूमिका –डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
18. बिहारी-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
19. महाकवि भूषण- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
20. सूरदास –सं० हरवंशलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
21. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा–मनोहरलाल गौड़, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
22. महाकवि सूरदास –नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद

सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

**Semester-II**

**Course Name: Aadikalin Evam Mahyakalin Kavya**

**Course Code: BAHINMNC201**

| Course Type: **MINOR (Theoretical)** | Course Details: **MNC-2** | | | L-T-P: **4-1-0** | |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| Credit: **5** | Full Marks: **100** | CA Marks | | ESE Marks | |
| Practical | Theoretical | Practical | Theoretical |
| …… | **30** | …… | **70** |

***Course Learning Outcomes:***

*(After the completion of course, the students will have ability to):*

***Course Learning Outcomes:***

*(After the completion of course, the students will have ability to):*

*1.विद्यार्थीहिंदीसाहित्य*केआदिकालऔरमध्यकालके*विकास, प्रवृत्तियों,*कविताओं*औररचनाकारोंकीजानकारीप्राप्तकरेंगे।*

*2.विद्यार्थीइसमेंभारतीयकविताकेअस्तित्वऔरभक्तिकेतलकेक्लासिकलरूपकोजानसकतेहैं।*

3. विद्यार्थी आठ प्रतिनिध रचनाकारों की कुछ प्रमुख रचनाओं के पाठ को हृदयंगम कर सकेंगे।

4. आठ महत्वपूर्ण कवियों की रचनाओं की अंतर्वस्तु से परिचित हो सकेंगे।

5. भोजपुरी,मैथिली,अवधी,ब्रज भाषा की बानगियां  विद्यार्थियों को यहां प्राप्त हो सकेगी।

6. हिन्दी की बोलियों की विविधता को समझ पाने में सक्षम हो सकेंगे।

***Content/ Syllabus:***

**इकाई : एक**

**विद्यापति (**विद्यापति – शिवप्रसादसिंहसे **7 पद) : 1.**विदितादेविविदिताहो(1) **2**. नंदकनन्दन

कदम्बेरितरुतरे(8) **3**. सुनरसिया, अबनबजाऊबिपिनबंसिया(9) **4**. सैसव-जौवनदुहुमिलिगेल,

स्रवनकपथदुहुलाचनलेल(11)  **5.** कोहमेसाँझकएकसरितारा(51)  **6.** मधुपुरमोहनगेलरे, मोरा

बिदरतछाती(54) **7.** सरसिजबिनुसरसरबिनुसरसिज(83)

**इकाई**: **दो**

**कबीर (**कबीरग्रंथावली –श्यामसुंदरदाससे **7** पद**)** : 1.संतोंभाईआईज्ञानकीआंधीरे(16) **2**.

चलनचलनसबकोईकहतहै, नजानेबैकुण्ठकहाँहै (24) **3**. पांडेकौंनकुमतितोहिलागी (39) **4**.

पंडितबादवदंतेझूठा (40) **5**.मायातजूंतजीनहींजाइ(84) **6**. मनरेतनकागदकापुतला(92) **7.**

हरिजननिमैंबालकतोरा(111) **.**

**इकाई**: **तीन**

**तुलसीदास(** कवितावलीके ‘उत्तरकाण्ड’ से **7 पद) :** - **1.**मनोराजुकरतअकाजुभयोआजुलगि, चाहेचारुचीर, पैलहैनटूकुटाटको (66) **2**. ऊँचोमनु,ऊंचीरुचि, भागुनीचोनिपटही, लोकरीति-लायकन, लंगरलबारुहै (67) **3.**जातिके, सुजातिके, कुजातिकेपेटागिबसखाएटूकसबके, बिदितबातदुनींसो(71) **4.**किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी, भाट,चाकर,चपलनट,चोर,चार, चेटकी(96), **5**. कुल-करतूति-भूति-कीरति-सरूप-गुन-जौबनजरतजुर, परैनकलकहीं(98) **6.**धूतकहौ, अवधूतकहौ, रजपूतुकहौ, जोलाहाकहौकोऊ (106), **7.**लालचीललातबिललातद्वार-द्वारदीन, बदनमलीन, मनमिटैनाबिसूरना (148)

**इकाई**: **चार**

**सूरदास (**सूरदाससटीक –धीरेन्द्रवर्मासे **7 पद) : 1.**अबिगत-गतिकछुकहतनआवै(विनयतथाभक्ति: 2) **2** . सिखवतिचलनजसोदामैया(गोकुललीला : 20) **3.**मुरलीतऊगुपालहिंभावति(गोकुललीला : 42) **4**. बुझतस्यामकौनतूगौरी( राधा-कृष्ण : 2) **5.**कोउब्रजबांचतनाहिंनपाती (उद्धव-सन्देश : 44) **6.**आएजोगसिखावनपांडे (उद्धव-सन्देश : 69) **7**. निरगुनकौनदेसकौबासी?( उद्धव-सन्देश : 77)

**मीराबाई (**मीराकाकाव्य-विश्वनाथत्रिपाठीसे **7** पद**) : 1.** आलीरीम्हारेणणाबाणपड़ी**2.**

म्हारांरीगिरिधरगोपालदूसराणाकूयां**3.**जोगियाजीनिसदिनजोवांथारीबाट**4.** को

बिरहिनीकोदुःखजांणैहो **5.** पतियांमैंकैसेलिखूं, लिख्योरीनजाय**6**. भजमनचरणकंवल

अवणासी 7**.**रामनामरसपीजैमनआं, रामनामरसपीजै

**इकाई**: **पांच**

**बिहारी(** बिहारी-रत्नाकर : जगन्नाथदासरत्नाकरसे **15 दोहे) : 1.**बैठीरहीअतिसघनबन, पैठिसदन-तनमाँह(52) **2.**कागदपरलिखतनबनत, कहतसंदेसुलजात(60) **3.**याअनुरागीचित्तकीगतिसमुझैनहिंकोई(121) **4.** मोहन-मूरतिस्यामकीअतिअद्भुतगतिजोइ(161) **5.** बड़ेनहूजैगुननुबिनुबिरद-बड़ाईपाइ(191) **6.**तजितीरथहरिराधिके(201) **7.**आड़ेदेआलेबसनजाड़ेहूंकीरात(283) **8.**सीस-मुकुट, कटि-काछनी, कर-मुरली, उर-माल (301) **9.**कोरिजातनकोऊकरू, परैनप्रकृतिहिंबीचु(341) **10.**लिखनबैठिजाकीसबीगहिगहिगरबगरूर( 347) **11.**दुसहदुराजप्रजानुकौंक्यौंनबढ़ैदुःख-दंदु (357) **12.**दृगउरझत, टूटतकुटुम, जुरतचतुर-चितप्रीति(363)  **13**. समैसमैसुन्दरसबै, रूपकुरूपुनकोई(432) **14**. बतरस-लालचलालकीमुरलीधरीलुकाइ (472) **15**. लटुआलौंप्रभ-करगहैंनिगुनीगुनलपटाइ(501)

**घनानंद (** घनानंदकवित्त : विश्वनाथप्रसादमिश्रसे **7 पद)** : **1**. झलकैअतिसुन्दरआननगौर (2)

**2.**पहिलेंघन-आनंदसींचिसुजानकहींबतियाँअतिप्यारपगी (10) **3.**तबतोछबिपीवतजीवतहै, अबसोचनलोचनजातजरे(13) **4.**रावरेरूपकीरीतिअनूप, नयो-नयोलागतज्यौं-ज्यौंनिहारियै (15) **5**. अतिसूधोसनेहकोमारगहैजहाँनेकुसयानपबांकनहीं ( 82) **6**. घनआनंदप्यारेसुजानसुनौजिहिभांतिनहौंदुःख-सूलसहौं (88) **7**. पूरनप्रेमकोमंत्रमहापणजामधिसोधिसुधारिहैलेख्यौ (97)

**इकाई**: **छ:**

**भूषण (**स्वर्णमञ्जूषा–नलिनविलोचनशर्मा, केसरीकुमारसे **7 पद) : 1.** पावकतुल्यअमीतनकोभयो (1) **2**. जैजयति, जैआदि-सकतिजैकालि, कपर्दिनि(3) **3.**इंद्रजिमिजम्भपरबाडवज्यौंअंभपर(5) **4.**बासब-सेबिसरतबिक्रमकीकहाचली(11) **5.**मद-जलधरनदुरद-बलराजत(12) **6.**भुज-भुजगेसकीवैसंगिनीभुजंगिनी-सी (17) **7**. साजिचतुरंगबीर-रंगमेंतुरंगचढ़ि(20)

**सहायक ग्रन्थ/सन्दर्भ ग्रन्थ :**

1. विद्यापति –शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. कबीर ग्रंथावली –सं० श्यामसुंदर दास, नागिरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
3. सूरसागर सटीक –सं०- धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा० लिमिटेड, इलाहाबाद
4. कवितावली- तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर
5. मीरा का काव्य- सं० विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. बिहारी रत्नाकर- जगन्नाथ प्रसाद रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. घनानंद-कवित्त –सं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
8. स्वर्ण-मंजूषा- सं० नलिन विलोचन शर्मा, केसरी कुमार; मोतीलाल-बनारसी दास,दिल्ली
9. कबीर- हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. भक्ति-काव्य यात्रा-रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि- द्वारिका प्रसाद सक्सेना, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
12. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य- मैनजर पांडेय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13. सूरदास –आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागिरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
14. गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
15. लोकवादी तुलसीदास-विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
16. घनानंद – लल्लन राय, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली
17. रीतिकाव्य की भूमिका –डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
18. बिहारी-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
19. महाकवि भूषण- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
20. सूरदास –सं० हरवंशलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
21. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा–मनोहरलाल गौड़, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
22. महाकवि सूरदास –नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद

सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

**Semester-II**

**Course Name: Patrakarita**

| Course Type:  **(Theoretical)** | Course Details: **MDC-2** | | | L-T-P: **3-0-0** | |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **Credit: 3** | **Full Marks: 50** | **CA Marks** | | **ESE Marks** | |
| Practical | Theoretical | Practical | Theoretical |
| …… | **15** | …… | **35** |

***Course Learning Outcomes:***

*(After the completion of course, the students will have ability to):*

1. कार्य करने की क्षमता का विकास विद्यार्थियों में होगा।
2. इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के विविध पक्षों की समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी।
3. विद्यार्थी .पत्रकारिता क्षेत्र की बारीकियों को समझ सकेंगे और पत्रकारिता क्षेत्र में सृजन कार्य कर सकेंगे।

*Content/ Syllabus:*

इकाई-1. हिंदीपत्रकारिता का उद्भव और विकास ।

इकाई-2. प्रिंट माध्यम की पत्रकारिता : चुनौतियाँएवं उपलब्धियाँ ।

इकाई-3. इलेक्ट्रानिकमाध्यम की पत्रकारिता : चुनौतियाँ एवं उपलब्धियाँ ।

इकाई-4.साहित्यिकपत्रकारिता एवं पीतपत्रकारिता |

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ- विनोद गोदरे

2. समाचार, फिचर लेखन और सम्पादन कला – हरिमोहन

3. समाचार संकलन और लेखन- नंदकिशोर त्रिखा

4. हिंदी पत्रकारिता का विकास – एन. सी.पंत

5. आधुनिक पत्रकारिता- अर्जुन तिवारी

6. लघु पत्रिकाएं और साहित्यिक पत्रकारिता – धर्मेंद्र गुप्त

7. जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधार-जगदीश्वर चतुर्वेदी

**Semester-II**

**Course Name: Social Media**

**Course Code: BAHINSE201**

| Course Type: SEC **(Theoretical)** | Course Details: **SEC-2** | | | L-T-P: **2-1-0** | |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| Credit: **3** | Full Marks: **50** | CA Marks | | ESE Marks | |
| Practical | Theoretical | Practical | Theoretical |
| …… | **15** | …… | **35** |

***Course Learning Outcomes:***

*(After the completion of course, the students will have ability to):*

1. विद्यार्थियों में सोशल मीडिया के विविध आयामों की समझ विकसित होगी।
2. विद्यार्थी मीडिया की निरंतर बदलती हिंदी भाषा से परिचित हो सकेंगे।
3. इंटरनेट के उपयोग को जान पाएगा ।

***Content/ Syllabus:***

इकाई-1 : इंटरनेट, विकीपीडिया, यू ट्यूब, फेसबुक

इकाई-2 : हिंदी वेबसाइट और ब्लॉग लेखन

इकाई-3 : सोशल मीडिया एवं वेब मीडिया : प्रभाव

इकाई-4 : ट्विटर, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप, टिंडर

**संदर्भ ग्रंथ :**

1. मीडिया समग्र 11 खंड—जगदीश्वर चतुर्वेदी
2. इंटरनेट विज्ञान—नीति मेहता
3. जनसम्पर्क स्वरुप और सिद्धांत—डॉ. राजेंद्र प्रसाद